बी.एस.के.एफ-001

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
(जुलाई 2011 एवं जनवरी 2012 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड :बी.एस.के.एफ.-001
संस्कृत में आधार पाठ्यक्रम

ignou
THE PEOPLE'S UNIVERSITY
मानविकी विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली-110 068

संस्कृत में आधार पाठ्यक्रम-001
सत्रीय कार्य 2011-12

कार्यक्रम कोड : बी.डी.पी
पाठ्यक्रम कोड :बी.एस.के.एफ-001

प्रिय छात्र/छात्राओं,

संस्कृत में आधार पाठ्यक्रम में आपको एक सत्रीय कार्य करना है। यह अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है। इसके लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं। यह पाठ्यक्रम कुल 4 क्रेडिट का है। यह सत्रीय कार्य पाठ्यक्रम के सभी खंडों पर आधारित है।

उद्देश्य : अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप स्वयं उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें। इस पाठ्यक्रम में संस्कृत भाषा और साहित्य के विविध पक्षों से आपको परिचित कराया गया है। इस अध्ययन से आप संस्कृत भाषा और साहित्य के विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा इस पाठ्यक्रम में संस्कृति, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान तथा मानविकी से संबंधित पाठों के माध्यम से संस्कृत का व्यावहारिक ज्ञान कराया गया है। इसके साथ ही संस्कृत में वार्तालाप, अनुवाद, संक्षेपण, पल्लवन, निबंध, समाचार तथा पत्र-लेखन को भी समझाने का प्रयास किया गया है। सत्रीय कार्य से आप यह जाँच सकेंगे कि आपने पाठ्यक्रम में प्रस्तुत सामग्री को कितना समझा है।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1) आधार पाठ्यक्रमों के लिए कार्यक्रम दर्शिका में दिए हुए निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए।

2) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दायें सिरे पर अपना अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।

3) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के प्रथम पृष्ठ के मध्य भाग में पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और उस अध्ययन केंद्र का नाम लिखिए जिससे आप संबद्ध हैं।

उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा :

अनुक्रमांक :.....

नाम :.....

पता :.....

.....

दिनांक :.....

पाठ्यक्रम शीर्षक :.....

सत्रीय कार्य कोड :.....

अध्ययन केंद्र का नाम :.....

4) उत्तर के लिए केवल फुलस्केप के आकार के कागज का इस्तेमाल करें और उन कागजों को अच्छी तरह से बाँध लें।

5) प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।

6) अपनी ही लिखावट में उत्तर दें।

7) सत्रीय कार्य की उत्तर पुस्तिका जाँच के लिए अपने अध्ययन केंद्र के संचालक (Coordinator) के पास भेज दें।

सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि :

जुलाई 2011 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए	:	**31 मार्च, 2012**
जनवरी 2012 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए	:	**30 सितंबर, 2012**

प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें।

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

इस सत्रीय कार्य में आपसे मुख्य-रूप से तीन तरह के प्रश्न पूछे गए हैं। लंबे निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लगभग 350-400 शब्दों में लिखने हैं तथा लघु निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर 150-200 शब्दों में देने हैं। इसके अलावा, तीसरी श्रेणी के प्रश्न के उत्तर निर्देशानुसार देने हैं।

उत्तर देने के लिए अगर आप निम्नलिखित विधि से तैयारी करेंगे तो आपके लिए लाभप्रद होगा :

1. **अध्ययन** : सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कीजिए।

2. **अभ्यास** : अपने उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) वाक्यों और अनुच्छेदों (Paragraphs) के बीच स्पष्ट क्रमबद्धता हो,

ग) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

घ) उत्तर, प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबा न हो, और

ङ) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3) **प्रस्तुति** : जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसे साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

शुभकामनाओं सहित!

नोट : याद रखें कि विश्वविद्यालय के नए नियमानुसार परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा करना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

संस्कृत में आधार पाठ्यक्रम-003
सत्रीय कार्य

कार्यक्रम कोड : बी.डी.पी
पाठ्यक्रम कोड : बी.एस.के.एफ-001
सत्रीय कार्य कोड : बी.एस.के.एफ-001/टीएमए/2011-12
पूर्णांक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : 5
   क) वेदाङ्ग ..... हैं।
   ख) मूल ध्वनियाँ जब अर्थ का संप्रेषण करती हैं तो ..... कहलाती हैं।
   ग) जिन वर्णों के उच्चारण में प्राणवायु के बाहर निकलने में कोई अवरोध नहीं होता, वे वर्ण कहलाते हैं।

2. निम्नलिखित वर्णों का उच्चारण-स्थान बताइए : 5
   र, ष, स, प, ङ

3. सन्धि कीजिए: 5
   नदी+इन्द्रः मम+औषधम्
   देव+ऋषिः सत्+चित्
   ते+अपि

4. 'रस का स्वरूप' विषय पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए। 5

5. लकार के भेदों का वर्णन करते हुए किन्हीं चार लकारों का सोदाहरण परिचय दीजिए। 10

6. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कीजिए: 10
   श्रीनाथः, लम्बोदरः, पौर्वशालः, शिवकेशवौ, प्रपर्णः, प्रतिदिनम्, लक्ष्मीकान्तः, गिरीन्द्रनन्दिनी, अर्धर्चः, उपशरदम्।

7. क्त्वा एवं ल्यप् का प्रयोग किस अर्थ में होता है? 100-125 शब्दों में सोदाहरण टिप्पणी लिखिए। 5

8. निम्नलिखित श्लोक का अन्वय और अर्थ लिखिए : 5
   देवतातिथिभृत्यानां पितृणामात्मनश्च यः।
   न निर्वपति पञ्चानाम् उच्छ्वसन् सः न जीवति।।

9. निम्नलिखित पद्य की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : 10
   दिवं यदि प्रार्थयसे वृथा श्रमः पितुः प्रदेशास्तव देवभूमयः।
   अथोपयन्तारमलं समाधिना न रत्नमन्विष्यति मृग्यते हि तत्।

10. कुमारसंभव की विषय-वस्तु का परिचय दीजिए। 10

11. महाकवि भास का परिचय देते हुए प्रतिमा नाटक की कथावस्तु का वर्णन कीजिए। 10

12. निम्न पद्य का अन्वय तथा अनुवाद कीजिए : 5
विपदि धैर्यमथाभ्युदये क्षमा सदसि वाक्पटुता युधि विक्रमः।
यशसि चाभिरुचिर्व्यसनं श्रुतौ प्रकृतिसिद्धमिदं हि महात्मनाम्॥

13. निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध कीजिए : 5
क) बालकाः ग्रन्थं पठति।
ख) युवां चित्रं पश्यसि।
ग) बालिका कथां कथयथ।
घ) काकः तण्डुलान् खादामि।
ङ) अहं पाठं पठसि।

14. विद्यालय से अवकाश के लिये प्रधानाध्यापक को संस्कृत में पत्र लिखिए। 5

15. निम्नलिखित वाक्यों का वाच्य-परिवर्तन कीजिए : 5
क) सा पत्रं लिखति।
ख) त्वं विद्यालयं गच्छ।
ग) अहं पाठं पठिष्यामि।
घ) सः अभ्यासम् अकरोत्।
ङ) भवान् चित्रं पश्यति।

SOH/IGNOU/P.O. 5H/July 2011

Printed at : Raj Printer, A-9, B-2, Tronica city, Loni (Gzb.)